Brought by cbsemath.com the no.1 CBSE Math website
Most documents contain more than one page. Remember to see all pages

For Required document move down to second page

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र–1

(कोड सं. 302)

कक्षा – बारहवीं

हिंदी (केंद्रिक)

समय : 3 घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　अधिकतम अंक : 100

खंड – क

1. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 2×5 – 10

पथ बंद है पीछे अचल है पीठ पर धक्का प्रबल।
मत सोच बढ़ चल तू अभय, ले बाहु में उत्साह–बल।
जीवन–समर के सैनिकों संभव असंभव को करो
पथ–पथ निमंत्रण दे रहा आगे कदम, आगे कदम।
ओ बैठने वाले तुझे देगा न कोई बैठने।
पल–पल समर, नूतन सुमन–शय्या न देगा लेटने।
आराम संभव है नहीं जीवन सतत संग्राम है
बढ़ चल मुसाफिर धर कदम, आगे कदम, आगे कदम।
ऊँचे हिमानी श्रृंगपर, अंगार के भ्रु–भृंग पर
तीखे करारे खंग पर आरंभ कर अद्‌भुत सफर
ओ नौजवॉ, निर्माण के पथ मोड़ दे, पथ खोल दे
जय–हार में बढ़ता रहे आगे कदम, आगे कदम।

(क) इस काव्यांश में कवि किसे प्रेरणा दे रहा है और क्या? 2

(ख) किस पंक्ति का आशय है – जीवन के युद्ध में सुख सुविधाएँ चाहना ठीक नहीं? 2

(ग) अद्‌भुत सफर की अद्‌भुतता क्या है? 2

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – जीवन सतत संग्राम है। 2

(ड) कविता का केंद्रीय भाव 2–3 वाक्यों में लिखिए। 2

अथवा

रोटी उसकी, जिसका अनाज, जिसकी ज़मीन, जिसका श्रम है;
अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता का सुसिद्ध, सीधा क्रम है।
आजादी है अधिकार परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आज़ादी है अधिकार शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का।
गौरव की भाषा नई सीख, भिखमंगों की आवाज़ बदल,
सिमटी बाँहों को खोल गरूड़, उड़ने का अब अंदाज बदल।
स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते है;
रोटी क्या? ये अंबरवाले सारे सिंगार मिल सकते हैं।

(क) आजादी क्यों आवश्यक है 2

(ख) सच्चे अर्थों में रोटी पर किसका अधिकार है? 2

(ग) कवि ने किन पंक्तियों में गिड़गिड़ाना छोड़कर स्वाभिमानी बनने को कहा है 2

(घ) कवि व्यक्ति को क्या परामर्श देता है? 2

(ड.) आज़ाद व्यक्ति क्या कर सकता है? 2

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** 2×5=10

सत्य के अनेक रूप होते हैं, इस सिद्धांत को मैं बहुत पसंद करता हूँ। इसी सिद्धांत ने मुझे एक मुसलमान को उसके अपने दृष्टिकोण से और ईसाई को उसके स्वयं के दृष्टिकोण से समझना सिखाया है। जिन अंधों ने हाथी का अलग–अलग तरह से वर्णन किया वे सब अपनी दृष्टि से ठीक थे। एक दूसरे की दृष्टि से सब गलत थे, और जो आदमी हाथी को जानता था उसकी दृष्टि से सही भी थे और गलत भी थे।

जब तक अलग–अलग धर्म मौजूद हैं तब प्रत्येक धर्म को किसी विशेष बाह्य चिह्न की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन जब बाह्य चिह्न केवल आडंबर बन जाते हैं अथवा अपने धर्म को दूसरे धर्मों से अलग बताने के काम आते हैं तब वे त्याज्य हो जाते हैं।

धर्मों के भ्रातृ–मंडल का उद्देश्य यह होना चाहिए कि वह हिंदू को अधिक अच्छा हिंदू, एक मुसलमान को अधिक अच्छा मुसलमान और एक ईसाई को अधिक अच्छा ईसाई बनाने में मदद करे। दूसरों के लिए हमारी प्रार्थना वह नहीं होनी चाहिए – ईश्वर, तू उन्हें वही प्रकाश दे जो तूने मुझे दिया है, बल्कि यह होनी चाहिए – तू उन्हें वह सारा प्रकाश दे जिसकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।

(क) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 2

(ख) किसी भी धर्म के अनुयायी को उसी के दृष्टिकोण से देखने की समझ किस सिद्धांत के कारण पैदा हुई? 2

(ग) अंधे और हाथी' का उदाहरण क्यों दिया गया है? 2

(घ) धर्म के बाह्य चिह्नों को क्यों त्याग देना चाहिए? 2

(ङ.) हमें ईश्वर से क्या प्रार्थना करनी चाहिए? 2

खंड 'ख'

3. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए –** 5

(क) देश के उत्थान में युवाओं का योगदान।

(ख) संचार माध्यमों में कंप्यूटर की उपयोगिता।

(ग) नारी समाज के सम्मुख चुनौतियाँ

(घ) परिश्रम सफलता की कुंजी है।

4. भ्रूण–हत्या में हो रही वृद्धि पर चिंता प्रकट करते हुए किसी हिंदी के दैनिक समाचार–पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए और कोई व्यावहारिक समाधान भी सुझाइए।

अथवा

आप रेलवे स्टेशन के लिए पर्याप्त समय रहते निकल पड़े थे फिर भी गाड़ी नहीं पकड़ पाए। अपने मित्र मनीष को पत्र द्वारा संपूर्ण अनुभव लिखकर बताइए।

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–** $1\times5=5$

(क) मुद्रण माध्यम (प्रिंट मीडिया) के अन्तर्गत आने वाले दो माध्यमों का उल्लेख कीजिए।

(ख) फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज का क्या आशय है?

(ग) व्यापार–कारोबार की भाषा की एक विशेषता लिखिए।

(घ) अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते हैं?

(ङ.) विशेषीकृत रिपोर्टिंग की एक प्रमुख विशेषता लिखिए।

6. 'बस्ते का बढ़ता बोझ 'अथवा' महानगर की ओर पलायन की समस्या' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक फीचर का आलेख तैयार कीजिए। 5 अंक

खंड 'ग'

7. **निम्नलिखित काव्याशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या लिखिए :** 5+5–10

क) किसबी, किसान–कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन–गन अहन अखेटकी।।
ऊँचे–नीचे करम, धरम–अधरम करि,

पेट ही को पचत, बेचत बेटा–बेटकी।

'तुलसी' बुझाइ एक राम घनश्याम ही तें,

आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी।।

(ख) अट्टालिका नहीं है रे

आंतक–भवन

सदा पंक पर ही होता

जल–विप्लव–प्लावन,

क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से

सदा छलकता नीर,

रोग–शोक में भी हँसता है

शैशव का सुकुमार शरीर।

(ग) मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,

शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,

हो जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर

मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।

मैं रोया, इसको तुम कहते हो गाना,

मैं फूट पड़ा, तुम कहते, छंद बनाना;

क्यों कवि कहकर संसार मुझे अपनाए,

मैं दुनिया का हूँ, एक नया दीवाना!

8. **निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः**

2+2+2=6

जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है

सहर्ष स्वीकारा है;

इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है

वह तुम्हें प्यारा है।

गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब

यह विचार–वैभव सब

दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब

मौलिक है, मौलिक है

इसलिए कि पल–पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है–
संवेदन तुम्हारा है! !

(क) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 2

(ख) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए–
"जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है– 2
संवेदन तुम्हारा है!!"

(ग) 'गरबीली गरीबी' – विशेषण प्रयोग का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

नभ में पाँती–बँधे बगुलों के पंख
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले–हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक **एक** रक्खो।

(क) काव्यांश के भाव–सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए। 2

(ख) काव्यांश से मानवीकरण का एक उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) काव्यांश के आधार पर साँझ के प्रकृति–चित्रण पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 2

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $2 \times 2 = 4$

(क) फूल और चिड़िया को कविता की क्या–क्या जानकारी नहीं है? 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर बताइए।

(ख) शोक में डूबे वातावरण में हनुमान के अवतरण का क्या प्रभाव पड़ा?

(ग) सूर्योदय से पहले आकाश में क्या–क्या परिवर्तन होते हैं? 'उषा' कविता के आधार पर बताइए।

10. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 2+2+2+2=8

(क) रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकार चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक चाहे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि–उपचार–पथ्य–विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े–बच्चे–जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन शक्ति–शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी।

प्रश्न (i) रात्रि में पहलवान की ढोलक किन्हें ललकार लगाती थी? 2

(ii) 'संजीवनी शक्ति' से लेखक का क्या आशय है? 2

(iii) ढोलक का गाँव के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता था? 2

(iv) रात्रि की विभीषिका को स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

(ख) समता का औचित्य यहीं पर समाप्त नहीं होता। इसका और भी आधार उपलब्ध है। एक राजनीतिज्ञ पुरुष का बहुत बड़ी जनसंख्या से पाला पड़ता है। अपनी जनता से व्यवहार करते समय राजनीतिज्ञ के पास न तो इतना समय होता है, न प्रत्येक के विषय में इतनी जानकारी जिससे वह सबकी अलग–अलग आवश्यकताओं तथा क्षमताओं के आधार वांछित व्यवहार अलग–अलग कर सके। वैसे भी आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर भिन्न व्यवहार कितना भी आवश्यक तथा औचित्यपूर्ण क्यों न हो, 'मानवता' के दृष्टिकोण से समाज दो वर्गों और श्रेणियों में नहीं बाँटा जा सकता।

प्र. (i) राजनीतिज्ञ जनता की इच्छाओं की पूर्ति क्यों नहीं कर पाता ? 2

(ii) 'समता' से क्या आशय है? उसकी क्या आवश्यकता है? 2

(iii) राजनीतिज्ञ जनता को खुश रखने के लिए क्या कर सकता है? 2

(iv) समाज को दो वर्गों में क्यों नहीं बाँटा जा सकता। 2

11. **निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 3+3+3+3=12

(क) ''कालजयी अवधूत'' किसे कहा गया है और क्यों? 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) साफिया और उसके भाई के विचारों में क्या अंतर था? 'नमक' पाठ के आधार पर बताइए।

(ग) भारतीय जनता ने चार्ली के किस 'फिनोमेनन' को स्वीकार किया? उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

(घ) भगत जी बाज़ार को सार्थक और समाज को शांत कैसे कर रहे हैं? 'बाज़ार–दर्शन' पाठ के आधार पर बताइए।

(ड.) भक्तिन और लेखिका के बीच कैसा संबध था? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर बताइए।

12. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 3+3+3=9

(क) पर्यटक मुअनजो–दड़ो में क्या–क्या देख सकते हैं? 'अतीत के दबे पाँव' पाठ के आधार पर किन्हीं तीन दृश्यों का परिचय दीजिए।

(ख) ऐन ने अपनी डायरी में किट्टी को क्या–क्या जानकारी दी हैं? 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर बताइए।

(ग) यशोधर बाबू के स्वभाव को 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) कविता–सृजन का आत्म विश्वास लेखक के मन में कैसे आया? 'जूझ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** 3+3=6

(क) **'डायरी के पन्ने'** पाठ के आधार पर बताइए कि अब महिलाओं की स्थिति में क्यों बदलाव आ रहे हैं?

(ख) सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। – कैसे ?

(ग) **'जूझ'** कहानी के उद्‌देश्य पर प्रकाश डालिए।

14 सिंधु–सभ्यता राजपोषित या धर्म–पोषित न होकर समाज–पोषित थी। 'अतीत के दबे पाँव' पाठ की सहायता से इस वाक्य के समर्थन या विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए। 5

अथवा

'जूझ' कहानी में आपको किस पात्र ने सबसे अधिक प्रभावित किया और क्यों? उसकी किन्हीं चार चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अंक योजना – प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–1
हिंदी (केंद्रिक)
कक्षा – बारहवीं

समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 100

<u>आवश्यक निर्देश:</u>

(i) परीक्षक प्रश्न के पूरे उत्तर को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

(ii) अंक–योजना के अनुसार प्रश्न के समस्त उत्तर –बिंदुओं को देखें और अंक–योजना में वितरित किए गए अंकों के आधार पर ही परीक्षार्थी को अंक दें।

(iii) यदि उत्तर परीक्षार्थी के स्तरानुसार पूरी तरह ठीक है तो उसे शत–प्रतिशत अंक दिये जाएँ।

खंड 'क'

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
1	क) मनुष्य को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा	2
	ख) पल–पल समर नूतन सुमन शय्या न देगा लेटने	2
	ग) हिम से ढके पहाड़ों पर, ज्वालामुखी के लावे में, तीक्ष्ण तलवार में भी यह सफर चलता रहता है	2
	घ) जीवन एक युद्ध है जो निरंतर चलता रहता है हम सफलता पाने के लिए विध्न बाधाओं से लड़ते ही रहते हैं।	2
	ङ.) जीवन को युद्ध मानकर विघ्नों से लड़ते हुए हमें निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हम ऐसे सैनिक बने जो असंभव को भी संभव कर दे।	
	अथवा	
	(क) परिश्रम का फल पाने के लिए और शोषण का विरोध करने के लिए।	2
	(ख) जो अपनी ज़मीन पर श्रम करके अनाज पैदा करता है।	2
	(ग) ''गौरव की भाषा..................अंदाज बदल''।	2
	(घ) स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने की और उसके बल पर सफलता पाने की	2
	(ङ.) शोषण का विरोध कर सकता है, पहाड़ हिला सकता है, आकाश के तारे तोड़कर ला सकता है।	2

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
2.	(क) सत्य का सिद्धांत या सत्य और धर्म (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	2
	(ख) यह समझाने के लिए कि सत्य के अनेक रूप होते हैं, जैसे अंधे हाथी के अलग–अलग अँगों को एक सत्य मान बैठे थे।	2
	(ग) क्योंकि एक अंधा हाथी के जिस अंग को स्पर्श करेगा केवल उसी का वर्णन कर सकता है सम्पूर्ण हाथी का नहीं, उसी प्रकार विविध धर्मों के अनुयायी भी अपनी दृष्टि से सही होते हैं एक–दूसरे की दृष्टि से गलत।	2
	(घ) क्योंकि बाह्य चिह्न आडंबर बनकर धर्म–धर्म को अलग करने का काम करते हैं।	2
	(ड.) हे ईश्वर तू दूसरों को वह सारा प्रकाश दे जिसकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।	2
	खंड 'ख'	
3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित है–	5
	• भूमिका और उपसंहार	½+½=1
	• विषय–वस्तु (कम से कम तीन प्रमुख बिंदुओं पर विमर्श)	1+1+1=3
	• भाषा की शुद्धता एवं समग्र प्रभाव	1
4.	पत्र–लेखन किसी एक विषय पर अपेक्षित है–	5
	• प्रारंभ एवं अंत की औपचारिकताएँ	2
	• प्रश्नानुरूप विषय–वस्तु	2
	• भाषा की शुद्धता और समग्र–प्रभाव	1
5.	(क) (i) समाचार–पत्र (ii) पत्र–पत्रिकाएँ (अन्य उपयुक्त रूप भी स्वीकार्य)	½+½=1
	(ख) कोई भी बड़ी खबर कम शब्दों में और खबरों को रोककर सबसे पहले दर्शक तक पहुँचाना।	1
	(ग) चाँदी लुढ़की या सेसेंक्स आसमान पर आदि विशेष भाषा का प्रयोग। (अन्य विशेषता भी स्वीकार्य)	1

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	(घ) सीमित या कम समय के लिए काम करने वाला पत्रकार। इन्हें प्रकाशित सामग्री के अनुसार पारिश्रमिक दिया जाता है।	1
	(ङ.) i) घटना और घटना के महत्त्व का स्पष्टीकरण	
	ii) रक्षा, विदेश–नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा आदि क्षेत्रों में प्राथमिकता (कोई एक विशेषता स्वीकार्य होगी)	1
6.	फीचर–लेखन	
	• प्रारंभ और समापन	2
	• प्रभावी प्रस्तुति	2
	• उपयुक्त भाषा	1
	खंड 'ग'	
7.	किन्हीं दो काव्यांशों की व्याख्या अपेक्षित है :–	5+5=10
	(क) प्रसंग – कविता – कवितावली	½
	कवि – गोस्वामी तुलसीदास	½
	संदर्भ – यथार्थ समस्या एवं समाधान का वर्णन	1
	व्याख्या बिंदु –	3
	• किसान, भिखारी, नट, चोर और अन्य धंधा करने वाले पेट की आग के लिए काम करते हैं।	5
	• पेट की भूख एक बड़ी समस्या।	
	• पेट के लिए बेटे–बेटियों का सौदा।	
	• पेट बुरे काम करने की मजबूरी	
	• राम की कृपा वह जल है, जो पेट की आग को समाप्त कर सकती है।	
	• भूख तृष्णा के अर्थ में प्रयुक्त	
	(ख) प्रसंग–कविता–'बादल राग', कवि–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	½+½=1
	संदर्भ–प्रकृति की कोमल प्रक्रिया और बादल के रूप में क्रांति का आहवान	1
	व्याख्या–	3
	• निम्न वर्ग के लोगों की जीवन–शैली का वर्णन	

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	• अभावग्रस्त जीवन • अट्टालिकाएँ आतंक भवन हैं – उनमें रहने वाले शोषक हैं • कीचड़ पर ही जल और अतिवृष्टि का प्रभाव अर्थात बादल का क्रांतिकारी रूप समाज को निर्मल कर सकता है। • कमल की तरह एक समान रहने वाले • चाहे दुःख हो या सुख–एक समान रहना • शैशवावस्था में दुःख–सुख हँसने की क्षमता देता है।	
(ग)	**प्रसंग–कविता – 'आत्मपरिचय', कवि–हरिवंश राय बच्चन**	½+½=1
	संदर्भ – संसार में कवि के रहने का ढंग स्पष्ट हुआ है।	1
	व्याख्या बिंदु – • जीवन की परस्पर विरोधी स्थितियाँ • कवि अपने दुःख को साथ लेकर चलता है। • वाणी में शीतलता के साथ आग भी है। • शांत आवाज में शक्ति और अग्नि है। • खंडहरों पर राजा के महल न्योछावर। • कवि के पास नया दीवानापन है। • संसार से कवि का संबंध प्रीति और कलह का है	3
8.	किसी एक काव्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं – (क) सरल, बोलचाल की भाषा – अर्थगांभीर्य – प्रतीकात्मकता (किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित) (ख) गरीबी, जीवन के अनुभव, विचारों की संपत्ति, व्यक्तित्व की दृढ़ता आदि को कवि मौलिक मानता है। उसका विश्वास है यह सब उसके प्रियपात्र का ही संवेदन है। (ग) स्वाभिमान गरीब का अमूल्य धन, उसकी संपत्ति होता है। गरीबी के साथ 'गरबीली' विशेषण इसी बात की ओर संकेत कर रहा है कि गरीबी में भी कवि ने अपना स्वाभिमान नहीं खोया **अथवा**	2+2+2=6

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	क) सरल बिंब प्रधान भाषा • साभिप्राय शब्द चयन • विशेषणों, क्रिया विशेषणों का सुंदर प्रयोग (किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख)	
	(ख) • बगुलों के पंख चुराए लिए जाती आँखें • तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया (किसी एक के सौंदर्य का स्पष्टीकरण अपेक्षित)	
	(ग) सूर्यास्त का समय • काजल जैसे बादल छा गए हैं • श्वेत हंसों की पंक्तियाँ • उनके पँख चमक रहे हैं • उनका पंक्तिबद्ध होकर लौटना आकर्षक लगता है	
9.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं –	1+1=2
	(क) चिड़िया को कविता की उड़ान और फूल को कविता का खिलना।	
	(ख) हनुमान के आने से पहले वातावरण शोक–सागर था, उनके आते ही शोक वीरता में बदल गया। राम प्रसन्न हुए। (कोइे दो बिंदु)	1+1=2
	(ग) पहले शंख के समान आसमान हुआ, फिर आकाश राख से लीपे चौक जैसा हो गया, उसके बाद लगा जैसे काले सिल पर लाल केसर से धुलाई हुई हो, उसके बाद स्लेट पर खड़िया चाक मल दिया गया हो अंत में जैसे कोई स्वच्छ नीले जल में गौर वर्ण वाली देह झिलमिला रही हो (किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन)	
10.	(i) रात्रि की विभीषिका को और गाँव वालों को	1+1=2
	(ii) ढोलक एक ऐसी शक्ति है जो अर्द्धमृत को जीवित कर दे, जो बच्चे और बूढ़ों में स्फूर्ति और उमंग ला दे।	2
	(iii) गाँव वालों की संजीवनी शक्ति का काम करती और वहाँ के लोगों के ह्रदय में जो भय का सन्नाटा रहता है, उसे चीरती।	1+1=2
	(iv) गाँव में गरीबी और कष्ट भरे थे। रात को सन्नाटा रहता था। महामारी ने उसकी विभीषिका को और डरावना बना दिया था।	1+1=2
	अथवा	

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	(i) एक ओर बहुत बड़ी जनसंख्या है और दूसरी ओर वह समयाभाव के कारण प्रत्येक की आवश्यकता और क्षमता को नहीं पहचान पाता।	1+1=2
	(ii) मानवमात्र के प्रति समान व्यवहार। मानवता के लिए जाति, धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठना सामाजिक विकास के लिए आवश्यक।	1+1=2
	(iii) समता के आधार पर सबको प्रसन्न कर सकता है। मानवता की स्थापना कर सकता है।	1+1=2
	(iv) समानता का आधार है सबके साथ समान व्यवहार। आवश्यकता और क्षमता होने या न होने के आधार का वर्गीकरण मानवता के दृष्टिकोण से ठीक नहीं है	
11.	(क) शिरीष को, क्योंकि संन्यासी की भाँति वह सुख–दुख की चिंता नहीं करता। गर्मी, लू, वर्षा, आँधी में भी खड़ा रहता है।	
	(ख) साफ़िया हृदय प्रधान थी, उसका भाई विचार प्रधान। • साफ़िया के लिए इंसान से बढ़कर कुछ नहीं था जबकि भाई जिम्मेदारी को निभाने से बढ़कर कुछ नहीं मानता था। • सफ़िया को इंसानियत पर विश्वास था जबकि उसका भाई कस्टम अधिकारियों की जिम्मेदारी पर।	
	(ग) स्वयं पर हँसना और अपने आपकी बनावट और गरिमा को ठेस पहुँचाकर सबको हँसाना भारतीयों ने ऐसे स्वीकार किया जैसे बतख पानी को। उदाहरण जॉनीवाकर, राजकपूर, दिलीप कुमार, देवानंद, शम्मी कपूर आदि	2+1=3
	(घ) • निश्चित समय पर पेटी उठाकर चूरन बेचने के लिए निकलकर • छह आने की कमाई होते ही चूरन बेचना बंद करके • पंसारी से जीरा और नमक मात्र खरीदकर • सभी का जय–जय राम से स्वागत करके। • छह आने के बाद जो चूरन बचता उसे मुफ्त बाँटकर • बाज़ार की चमक–दमक से आकर्षित न होकर • समाज को संतोषी जीवन की शिक्षा देकर (किन्हीं तीन बिंदुओं का स्पष्टीकरण)	3
	(ङ.) • भक्तिन और महादेवी का संबंध नौकरानी या स्वामिनी का संबंध न होकर आत्मीय संगिनी का संबंध था।	

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	• नौकर निर्धारित काम करता है जबकि वह पूछ–पूछ कर काम करती।	
	• चले जाने का आदेश पाकर भी भक्तिन अवज्ञा के साथ हँस पड़ती।	1+1+1=3
12.	किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं –	3+3+3=9
	(क) (i) बौद्ध स्तूप (ii) प्रसिद्ध जल कुंड एवं कुँआ (iii) अजायबघर की विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	1+1+1–3
	(ख) (i) रविवार की दोपहर में घटी घटना।	
	(ii) इमारत की जानकारी।	
	(iii) नहर के किनारे बने मकान की जानकारी (अन्य जानकारी भी स्वीकार्य)	1+1+1=3
	(ग) (i) समय के साथ न ढलने वाले	
	(ii) रूढ़िवादी	
	(iii) भौतिक सुख के विरोधी (अन्य उपयुक्त गुण भी स्वीकार्य)	1+1+1=3
	(घ) सौंदलगेकर की मालती की बेल पर की गई कविता से लेखक प्रेरित हुआ। उसे कवि भी सामान्य मनुष्यों की तरह लगे।	
	• लेखक ने वह लता और कविता दोनों देखी।	
	• लेखक ने गाँव खेत और आस–पास के दृश्य पर कविता बनाने का प्रयास किया।	
	• भैंस चराते–चराते वह फसलों और फूलों पर तुकबंदी करने लगा।	
	• लकड़ी से भैंस की पीठ पर और कंकड़ से पत्थर की शिला पर कविता लिखता।	
	• जब वह कविता बन जाती तो अगले दिन मास्टर को दिखाता।	
	• मास्टर कविता की भाषा–शैली आदि बताते।	
	• धीरे–धीरे लेखक मास्टर के करीब आ गया। और उसे शब्दों का नशा चढ़ने लगा।	

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
13.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं –	3+3=6
	क) अनेक बदलाव आ रहे हैं– • शिक्षा, काम और प्रगति ने औरतों की आँखे खोली हैं। • उन्हें पुरुषों की बराबरी का हक दिया जा रहा है। • वे पूरी तरह स्वतंत्र, आत्मनिर्भर बन रही हैं। • वे ज्यादा सम्मान और सराहना की हकदार हैं।	
	ख) उनके भव्य खंडहर उनके शानदार रहन–सहन और जीवन शैली पर प्रकाश डालते हैं और बताते हैं कि वे लोग साधन सम्पन्न थे किंतु उनकी जीवनशैली सादगी से भरी थी। उसमें दिखावा या आडंबर नहीं था। वे अनुशासित थे पर ताकत के बल पर नहीं।	
	ग) • गाँव के खुरदरे यथार्थ और परिवेश को प्रस्तुत करना, • अस्त–व्यस्त निम्न–मध्य वर्गीय ग्रामीण समाज और लड़ते–जूझते किसान मजदूरों की समस्याओं को उजागर करना। • छात्रों में पढ़ने–लिखने, साहित्य और संगीत के प्रति रूचि उत्पन्न करना। (कोई तीन बिंदु या अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	
14.	किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है –	5
	किसी चार बिंदुओं का स्पष्टीकरण	4
	शुद्ध भाषा प्रयोग	1
	(क) • सिंधु सभ्यता–समाज पोषित संस्था का समर्थन करती थी। • सभ्यता ताकत के बल पर न होकर आपसी समझ पर आधारित • सभ्यता में आडंबर न होकर सुंदरता थी। • पूरी तरह से समाज स्वानुशासित • समाज में सौंदर्य बोध था न कि कोई राजनीतिक या धार्मिक आडंबर। अथवा	
	(ख) पात्र की कम से कम चार चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख करते हुए स्पष्टीकरण	

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र सेट–2
हिंदी (केंद्रिक)
कक्षा–12
खंड : 'क'

समय : 3 घंटे — अधिकतम अंक : 100

1. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए** 2×5 – 10

मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के।
आगे–आगे नाचती–गाती बयार चली,
दरवाजे–खिड़कियाँ खुलने लगीं गली–गली।
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के।।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की।
बरस बाद सुधि लीन्हीं –
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की।।

(क) **'पाहुन'** किसे कहा गया है और क्यों? 2

(ख) मेघ किस रूप में और कहाँ आए? 2

(ग) मेघों के आने पर गाँव में क्या–क्या परिवर्तन दिखाई देने लगे? 2

(घ) बूढ़ा पीपल किसके रूप में है? उसने क्या किया? 2

(ड.) **'लता'** कौन है? उसने क्या शिकायत की? 2

अथवा

ले चल माँझी मझधार मुझे, दे–दे बस अब पतवार मुझे।
इन लहरों के टकराने पर आता रह–रह कर प्यार मुझे।।
मत रोक मुझे भयभीत न कर, मैं सदा कँटीली राह चला।
पथ–पथ मेरे पतझारों में नव सुरभि भरा मधुमास पला।
फिर कहाँ डरा पाएगा यह पगले जर्जर संसार मुझे।

इन लहरों के टकराने पर, आता रह–रह कर प्यार मुझे।।
मैं हूँ अपने मन का राजा, इस पार रहूँ, उस पार चलूँ
मैं मस्त खिलाड़ी हूँ ऐसा जी चाहे जीतूँ, हार चलूँ।
मैं हूँ अबाध, अविराम अथक, बंधन मुझको स्वीकार नहीं।
मैं नहीं अरे ऐसा राही, जो बेबस–सा मन मार चलूँ।।
कब रोक सकी मुझको चितवन, मदमाते कजरारे घन की,
कब लुभा सकी मुझको बरबस, मधु–मस्त फुहारें सावन की।
जो मचल उठें अनजाने ही अरमान नहीं मेरे ऐसे –
राहों को समझा लेता हूँ सब बात सदा अपने मन की
इन उठती–गिरती लहरों का कर लेने दो श्रृंगार मुझे,
इन लहरों के टकराने पर आता रह–रह कर प्यार मुझे।।

(क) **'अपने मन का राजा'** होने के दो लक्षण कविता से चुनकर लिखिए। 2

(ख) किस पंक्ति का आशय है – कवि पतझड़ को भी बसंत मान लेता है। 2

(ग) कविता का केंद्रीय भाव दो–तीन वाक्यों में लिखिए। 2

(घ) कविता के आधार पर कवि–स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

(ङ.) आशय स्पष्ट कीजिए – **'कब रोक सकी मुझको चितवन, मदमाते कजरारे घन की।'** 2

2. **नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** 2×5=10

- तुम अपने जीवन के आगे काल्पनिक प्रश्नचिह्न क्यों लगाते हो? जो उपस्थित नहीं उससे भय क्या? अगर तुम्हारी कल्पना में शंकाओं एवं संदेहों के आने का मार्ग है तो इसे बंद कर दो और दूसरी ओर की खिड़की खोल लो, जिसमें से उत्साह, आशा व सफलता की बयार आती है। भिखमंगों से डर कर क्या तुमने रोटी पकाना छोड़ दिया है? मृत्यु के डर से यदि तुम जीना नहीं छोड़ते तो कठिनाइयों के डर से कार्य न करना कौन–सी बुद्धिमत्ता है? उस नाविक को देखो जो समुद्र में नाव खेने चला है, उसे मालूम है कि समुद्र की लहरों के थपेड़ों से उसकी नाव चकनाचूर हो सकती है, आँधी से पाल तार–तार हो सकती है, मस्तूल गिरकर टूट सकता है, पर इन सबसे घबराकर क्या वह समुद्र में जाना छोड़ दे? समुद्र कितना ही विशाल क्यों न हो पर उसकी विशाल साहसी भुजाओं का मुकाबला करने की शक्ति उसमें नहीं है, इसलिए तुम भी संसार की कर्मस्थली में उतर जाओ, अन्यथा चिंता एवं निराशा के सागर में डूब जाओगे।

प्रश्न (क) काल्पनिक प्रश्न–चिह्न से क्या तात्पर्य है? 2

(ख) लेखक ने नाविक के दृष्टांत द्वारा क्या प्रेरणा दी है? 2

(ग) लेखक ने मनुष्य को विपत्तियों में हतोत्साहित न होने के लिए कौन–कौन से दृष्टांत दिए हैं? 2

(घ) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 2

(ङ.) समुद्र मनुष्य की शक्ति का मुकाबला करने में क्यों अक्षम है? 2

खंड : 'ख'

3. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में एक निबंध लिखिए** 5

क) वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ

ख) मानसिक तनावों से घिरा युवावर्ग

ग) महानगरों में महिलाओं की स्थिति

4. आप विद्यालय के वार्षिकोत्सव में एक नाटक प्रस्तुत कर रहे है। पूर्वाभ्यास के बीच आपने पाया कि दो विद्यार्थी बाहर धूम्रपान कर रहे हैं। आपको कैसा लगा? इस समस्या का क्या समाधान हो सकता है? अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

छात्रावास में रहते हुए किसी व्यवहार के बारे में आपको चेतावनी दी गई और आपके माता–पिता को भी सूचित कर दिया गया है। पिता जी को पत्र लिखकर अपनी स्थिति स्पष्ट कीजिए और भविष्य में ऐसा न करने का आश्वासन दीजिए। 5

5. **"अभिव्यक्ति और माध्यम"** पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए $1 \times 5 = 5$

क. प्रसारण के लिए तैयार की जा रही समाचार कापी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

ख. 'उलटा पिरामिड' का आशय स्पष्ट कीजिए।

ग. खोजी पत्रकारिता का क्या आशय है?

घ. फ्रीलांसर' पत्रकार किसे कहा जाता है?

ङ. वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किस भारतीय वेबसाइट को जाता है?

6. **'गुम होती चहचहाहट'** अथवा **'फुटपाथ पर सोते लोग'** विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक फीचर का आलेख तैयार कीजिए। 5

खंड 'ग'

7. **निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या लिखिएः—** 5

क) खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच—बस,
कहैं एक—एकन सों 'कहाँ जाइ, का करी?'
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पै, राम! रावरें कृपा करी।
दारिद—दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु!
दुरित—दहन देखि तुलसी हहा करी।।

ख) तिरती है समीर—सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया—
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया—
यह तेरी रण—तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी—गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल!

ग) ऊपर से ठीकठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत!
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा—
''क्या तुमने आशा को
सहूलियत से बरतना नहीं सीखा?

8. **निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 2+2+2=6

(i) मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,
सुख–दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ;
जग भव–सागर तरने को नाव बनाए,
मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ!
मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ!

प्रश्न (क) काव्यांश के भाव सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) परस्पर विरोधाभासमूलक दो स्थितियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) भाव–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– मैं हाय, किसी की याद किए फिरता हूँ?

(ii) जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर–भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात–भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

(क) कवि को क्यों लगता है कि दिल जैसे एक झरना है?

(ख) किसके चेहरे की तुलना चाँद से की गई है? उसका क्या प्रभाव दर्शाया गया है?

(ग) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– 'जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर–भर फिर आता है।'

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :–** 2+2=4

(क) बच्चन की कविता **'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है'** के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि शाम होने से पहले गंतव्य के निकट आ पहुँचने पर लोगों की मानसिकता कैसी होती है?

(ख) **'कविता के बहाने'** के आधार पर **'सब घर एक कर देने के माने'** स्पष्ट कीजिए

(ग) **'कैमरे में बंद अपाहिज'** कविता में **'हम समर्थ शक्तिमान/हम एक दुर्बल को लाएँगे,'** पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या कहना चाहा है?

10. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 8

उस बल को नाम जो दो; पर वह निश्चय उस तल की वस्तु नहीं है जहाँ पर संसारी वैभव फलता–फूलता है। वह कुछ अपर जाति का तत्व है। लोग स्पिरिचुअल कहते हैं; आत्मिक, धार्मिक, नैतिक कहते हैं। मुझे योग्यता नहीं कि मैं उन शब्दों में अंतर देखूँ और प्रतिपादन करूँ। मुझे शब्द से सरोकार नहीं। मैं विद्वान नहीं कि शब्दों पर अटकूँ। लेकिन इतना तो है कि जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है। बल्कि यदि उसी बल को सच्चा बल मानकर बात की जाए तो कहना होगा कि संचय की तृष्णा और भैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रमाणित होती है। निर्बल ही धन की ओर झुकता है। वह अबलता है। वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है।

प्रश्न (क) 'उस बल' से लेखक का क्या तात्पर्य है? उसे अपर जाति का तत्त्व क्यों कहा है? 2

(ख) लेखक की विन्रमता किस कथन से व्यक्त हो रही है और आप उसके कथन से कहाँ तक सहमत हैं? 2

(ग) लेखक ने व्यक्ति की निर्बलता का प्रमाण किसे माना है और क्यों? 2

(घ) मनुष्य पर धन की विजय चेतन पर जड़ की विजय कैसे है? 2

अथवा

शिरीष तरू सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगे जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन–धूप, वर्षा, आँधी, लू–अपने आप में सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार–काट, अग्निदाह, लूट–पाट, खून–खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गाँधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब–जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब–तब हूक उठती है– हाय, वह अवधूत आज कहाँ है।

(क) शिरीष को पक्का अवधूत क्यों कहा है? 2

(ख) वर्तमान समाज की उथल–पुथल के संदर्भ में शिरीष वृक्ष से क्या प्रेरणा ग्रहण की जा सकती है? 2

(ग) लेखक ने 'एक बूढ़ा' किसे कहा है? किस संदर्भ में उसका उल्लेख किया गया है? 2

(घ) एक ही व्यक्ति कोमल और कठोर दोनों कैसे हो सकता है? स्पष्ट कीजिए। 2

11. **निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 3+3+3+3=12

(क) जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है? 'भीमराव अंबेडकर' के विचारों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'नमक की पुड़िया' ले जाने के संबंध में साफिया के मन में क्या द्वंद्व था?

(ग) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया?

(घ) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरू कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है?

(ङ.) भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है?

12. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए 3+3+3=9

(क) वर्तमान समय में परिवार की संरचना, स्वरूप से जुड़े आपके अनुभव 'सिल्वर वैडिंग' कहानी से कहाँ तक सामंजस्य बिठा पाते हैं?

(ख) 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है?

(ग) 'सिंधु–सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य–बोध है जो राज–पोषित या धर्म–पोषित न होकर समाज–पोषित था।' ऐसा क्यों कहा गया? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(घ) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर ऐन के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

13. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3+3=6

(क) स्वंय कविता रच लेने का विश्वास 'जूझ' के लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ?

(ख) यशोधर बाबू समय के साथ क्यों नहीं ढल सके?

(ग) मुअनजोदड़ों में बड़े घरों में छोटे कमरे होने का क्या कारण हो सकता है?

14. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 5

अथवा

टूटे–फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ–साथ धड़कती ज़िंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं।' इस कथन के आलोक में 'अतीत के दबे पाँव' पाठ की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

अंक योजना प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2

हिंदी (केंद्रिक)

समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 100

खंड क

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
1.	(क) बादलों को पाहुन कहा गया है क्योंकि वे बहुत दिन बाद लौटे हैं और ससुराल में पाहुन की भाँति बादलों का भी स्वागत हो रहा है।	2
	(ख) मेघ बनकर वे सज–सँवर के गाँव में आए	2
	(ग) दरवाज़े खिड़कियाँ खुलने लगीं, पेड़ झुकने लगे, आँधी चली और धूल भागने लगी।	2
	(घ) बूढ़ा पीपल गाँव का सयाना / बूढ़ा व्यक्ति काफी है जिसने नवागंतुक (मेघ / पाहुन) का स्वागत किया।	2
	(ड.) 'लता' कोई युवती है जो एक वर्ष से पति की प्रतीक्षा कर रही है।	2
	अथवा	
	बेल या कोई वनस्पति जो एक वर्ष से वर्षा की प्रतीक्षा कर रही है।	
	● शिकायत 'तुम्हें एक वर्ष बाद हमारी याद आई।'	
	अथवा	
	(क) इस पार या उस पार कहीं भी रहूँ; चाहे जीतूँ, चाहे हारूँ अबाध हूँ, मुझे बंधन स्वीकार नहीं।	2
	(ख) पथ–पथ मेरे पतझारों में नव सुरभि–भरा मधुमास पला	2
	(ग) भयभीत न होना, विपरीत परिस्थितियों में मार्ग बनाना, आत्मनिर्भर किसी बाधा–रूकावट को न मानना	2
	(घ) निर्भीक, स्वाभिमानी, विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने वाला	2
	(ड.) किसी सुंदरी प्रेयसी का आकर्षण भी मेरे निश्चय को न डिगा सका	2

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
2.	(क) भविष्य में असफलता की आशंका और उसका काल्पनिक भय छुटकारा पाने के लिए नकारात्मक विचारों आशंकाओं को छोड़कर उत्साह, आशा और सफलता की कामना।	2
	(ख) नाविक समुद्र के खतरों से सुपरिचित है, फिर भी समुद्र में उतरता है, इसी प्रकार मनुष्य को भी निर्भय होकर कर्म करना चाहिए।	2
	(ग) भिखमंगों के डर से रोटी पकाना नहीं छोड़ा जाता। मृत्यु के डर से जीवन नहीं त्यागा जाता।	2
	(घ) शीर्षक : 'निर्भीक जीवन–सुखी जीवन' या कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक।	2
	(ड.) मनुष्य में साहस है, बुद्धि है, इसलिए वह समुद्र की शक्ति का मुकाबला कर सकता है।	2
	खंड : 'ख'	
3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :	
	• भूमिका और उपसंहार	½+½=1
	• विषयवस्तु : कम से कम तीन प्रमुख बिंदुओं पर विमर्श	1+1+1=3
	• शुद्ध भाषा और प्रभावी प्रस्तुति	1
4.	पत्र लेखन किसी एक विषय पर अपेक्षित :	
	• प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ	2
	• प्रश्न के अनुसार विषय वस्तु का प्रतिपादन	2
	• शुद्ध भाषा और प्रभावी प्रस्तुति	1
5.	(क) • उच्चारण में जटिल शब्द न हो। • एक से दस तक के अंक शब्दों में हो। • पर्याप्त हाशिया दोनों ओर हो। • % और $ को प्रतिशत और डॉलर लिखा जाए आदि। (किन्हीं दो का उल्लेख)	½+½=1
	(ख) उलटा पिरामिड समाचारों का ढाँचा है, जिसमें आधार ऊपर और शीर्ष नीचे होता है और क्रम होता है–समापन, बॉडी, मुखड़ा	1

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	(ग) भ्रष्टाचार, अनियमितता, गड़बड़ी आदि को उजागर करने वाली पत्रकारिता।	1
	(घ) जो किसी एक पत्र से संबंद्ध नहीं होता। किसी भी पत्र के लिए लिखता है और पारिश्रमिक प्राप्त करता है।	1
	(ड.) तहलका डॉट कॉम।	1
6.	फीचर लेखन :	5
	• प्रारंभ और समापन	2
	• प्रभावी प्रस्तुति	2
	• उपयुक्त भाषा	1
	खंड : 'ग'	
7.	किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षितः	5+5=10
	प्रसंग (कवि, कविता)	½+½=1
	संदर्भ (पूर्वापर संबंध)	1
	उपयुक्त व्याख्या	3
	क) प्रसंग : तुलसीदास, 'कवितावली'	
	संदर्भ : तुलसी ने अपने समय की गरीबी और बेरोजगारी का यथार्थ चित्रण किया है।	
	व्याख्या–बिंदु	
	• जीविका न रहने पर समाज के विभिन्न वर्गों की स्थिति।	
	• कहाँ–जाएँ, क्या करें की कुंठा का कारण।	
	• सब संकटों में राम कृपा की चाह।	
	• दरिद्रता की तुलना रावण से करने का कारण।	
	• यथार्थ चित्रण; रूपक और अनुप्रास का सौंदर्य।	
	अथवा	
	प्रसंग: निराला, 'बादलराग' (अनामिका)	
	संदर्भ: बादल को क्रांति का प्रतीक मानकर आसमान के मन में अंकुर के रूप में सोई भावना को जगानेका आग्रह किया गया है।	

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	कारक बिंदुः समीर–सागर के विराट बिंब का स्पष्टीकरण जिसमें दुख की छाया सुखों के ऊपर तिरती है। • विप्लव को निर्भय कहने का आशय। • भरी आंकाक्षाओं से' 'सुप्त अंकुर', 'रणतरी' का भाव स्पष्टीकरण अपेक्षित • सुप्त अंकुरों का क्रांति की कामना से सिर ऊँचा कर ताकना–क्रांति की कामना बादल से।	
	ग) प्रसंगः कुँवर नारायण, 'बातसीधी थी पर' संदर्भः कविता में कथ्य और माध्यम का द्वंद्व व्याख्या बिंदुः • भाषा प्रयोग में सतर्कता • भावानुकूल शब्दों का प्रयोग न होने पर कविता में न कसाव रहता है न अर्थ प्रेषण की शक्ति • अंततः कवि / प्रयोक्ता को हँसी का पात्र बनना पड़ता है	
8.	(क) सरल तत्सम प्रधान भाषा, छायावादी प्रभाव, गीतात्मकता, प्रतीकात्मकता (किन्हीं दो का उल्लेख।)	2
	(ख) उन्माद में अवसाद – जवानी में मस्ती का जीवन होता है, पर उस मस्ती के भीतर कोई न कोई वेदना छिपी होती है। बाहर हँसा रूलाती भीतर – जीवन में सुख–दुख दोनों का अनुभव।	1+1=2
	(ग) कवि को प्रेयसी की स्मृति एक ओर तो आनंदित करती है, दूसरी ओर उससे जुड़ी वेदनाएँ उसे भीतर ही भीतर चुभती हैं, रूलाती हैं।	2
	अथवा	
	(क) झरने में जल का प्रवाह निरंतर होता है, कभी थमता नहीं इसी प्रकार कवि के मन में भावनाएँ एक के बाद एक निरंतर उमड़ती रहती हैं।	1+1=2
	(ख) कवि का प्रिय पात्र जिसे उसने 'तुम'कहा है, उसकी तुलना चाँद से की गई है। उसका प्रभाव कवि पर निरंतर पड़ता है। वह उसके खिले चेहरे को अनुभव करता है	1+1=2
	(ग) मन में भावनाओं का असीम भंडार है, वह उन्हें कविता या किसी रचना के रूप में व्यक्त करता है, पर फिर अनुभव करता है कि दिल वैसा ही भरा हुआ है। कवि की संवेदनाएँ और भावनाएँ अनंत हैं।	2

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
9.	क) लगता, दिन जल्दी ढलने लगा है। कहीं मंज़िल तक पहुँचने से पहले ही रात न हो जाएँ। इसलिए थका यात्री भी कदम तेज़ कर लेता है।	2+2=4
	ख) बच्चे खेल–खेल में अपने–पराए घर की सीमाएँ नहीं जानते। वे खेलते हुए सारे घरों में घुस सकते है और उन्हें एक कर देते हैं कविता भी यही करती है, वह समाज को बाँधती है, एक करती है।	
	(ग) दूरदर्शन/टी.वी. के माध्यम से दुर्बल या अपाहिज की वेदना को दर्शक तक पहुँचाने का दावा करने वाले स्वंय उनके प्रति असंवेदनशील होते है। प्रोड्यूसर स्वयं समर्थ और शक्तिशाली हैं, वे दुर्बल को बंद कमरे में टी.वी. कमरों के सामने लाकर उनसे हृदयहीन व्यवहार करते हैं।	
10.	किन्हीं दो का उत्तर अपेक्षित :	
	क) बाज़ार जाकर आवश्यक–अनावश्यक वस्तुएँ खरीद सकने का बल, वह संसारी वैभव की भाँति फलते–फूलने वाला नहीं है इसलिए उसे अपर जाति का तत्त्व कहा है।	1+1=2
	ख) मैं विद्यवान नहीं कि शब्दों पर अटकूँ.................. मुझे योग्यता नहीं कि मैं शब्दों में अंतर देखूँ.............	
	• लेखक से सहमत होना कठिन है क्योंकि वह विद्वान और योग्य है, यह लेख ही इसका प्रमाण है।	1+1=2
	ग) संचय की तृष्णा, बटोरकर रखने की चाह निर्बलता के प्रमाण हैं क्योंकि निर्बल व्यक्ति ही इनकी ओर झुकता है।	1+1=2
	घ) मनुष्य चेतन है और घन जड़। जड़ चेतन मनुष्य जड़ धन–संपत्ति की चाह में उसके वश में हो जाता है तो उसे ही कहा जाएगा चेतन पर जड़ की विजय।	2
	अथवा	
	क) अवधूत सुख–दुख, लाभ–हानि की चिंता से परे रहने वाले संन्यासी को कहा जाता है। शिरीष का पेड़ भी धूप–वर्षा, आँधी–लू की चिंता न कर खड़ा रहता है और सरस बना रहता है, इसलिए उसे 'पक्का अवधूत' कहा गया है।	
	ख) समाज में मच रही मार–काट, अग्निकांड, लूट–पाट आदि अशांतिकर परिस्थितियों में भी मनुष्य स्थिर बना रह सकता है।	2

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	ग) • महात्मा गाँधी को कहा गया है। • समाज में कटती अशांति और विरोधी वातावरण के बीच भी गाँधी ने अपने सिद्धांतों की रक्षा की थी और संघर्ष नहीं रखा था।	1+1=2
	घ) कोमलता का संबंध मन की दयालुता और सहानुभूति से है। दयालु और कोमन ह्दय व्यक्ति भी अपने सिद्धांत और व्यवहार में कठोर हो सकता है	2
11.	किन्हीं चार का उत्तर अपेक्षित :	3×4=12
	क) जाति प्रथा मनुष्य के पेशे का पूर्वानिर्धारण करती है, प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उसे पेशा बदलने की अनुमति नहीं देती। इस प्रकार वह बेरोजगारी का प्रथम और प्रमुख कारण है और बेरोज़गारी ही भुखमरी का कारण बनती है।	
	ख) साफिया सिख महिला के लिए पाकिस्तान से नमक ले जाना चाहती थी, परंतु कस्टम के नियमों के अनुसार यह वर्जित था। साफिया का द्वंद्व यह था कि वह छिपाकर नमक ले जाए या प्रत्यक्ष कस्टम अधिकारियों को बताकर।	
	ग) चार्ली के जीवन के संघर्ष ने उनपर गहरा असर डाला था। बचपन की बीमारी वाले प्रसंग से उन्होंने स्नेह, करूणा और ममता का पाठ पढ़ा था। इसी प्रकार कसाईखाने के निकट रहने के कारण वहाँ के दृश्य उसके मन में बसगए। त्रासदी और हास्य पैदा करने वाले भावों का सामंजस्य वह तभी सीख सका।	
	घ) लुट्टन पहलवान लोक वादक था और ढोल बजाने में उसे महारत प्राप्त थी/पहलवानी प्रायः गुरूओं से सीखी जाती है, पर लुट्टन का मानना था कि इस ढोल को बजाने से ही वह पहलवान बन सका है। "ढोल की आवाज के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ।"	
	ङ) लेखिका को स्त्रियों का सिर घुटाना अच्छा नहीं लगता। उसने भक्तिन को रोका पर भक्तिन ने उत्तर दिया। शास्त्र में लिखा है लेखिका ने पूछा–क्या लिखा है तो भक्तिन बोली–'तीरथ गए मुंडाए सिद्ध। यह सूत्र किसी शास्त्र का नहीं था पर भक्तिन ने अपनी आस्था से बना लिया था।	
12	**किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित**	3×3=9
	(क) आज मध्यवर्गीय घरों में वेडिंग एनीवर्सरी मनाना, पच्चीसवीं वर्षगांठ को 'सिल्वर वेडिंग' के रूप में मनाना एक चलन बनता जा रहा है। परिवार की संरचना छोटी होती जा रही है। संयुक्त परिवार प्रथा प्रायः टूट चुकी है, इसलिए आज यशोध ार बाबू की तरह का संकोच दिखाई नहीं पड़ता।	

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	(ख) 'जूझ' शीर्षक कहानी में कथानायक का संघर्ष है। वह पढ़ना चाहता है पर उसका पिता उसे खेती–बाड़ी में लगा देना चाहता है और पढाई बंद कर देता है। कथानायक अपनी माँ और गाँव के चौधरी के मदद से स्कूल तो पहुँच जाता है पर वहाँ उसे फिर संघर्ष से गुजरना पड़ता है क्योंकि उसके सहपाठी उससे उम्र में छोटे हैं और वह कई बार उपहास का पात्र बनता है, पर अंततः एक शिक्षक के सहयोग ही उसका संघर्ष सफल होता है।	
	(ग) सिंधु सभ्यता में नगर नियोजन, गृह निर्माण, सड़कों, भंडारो, जलाशयों, नालियों आदि का निर्माण इस बात प्रमाण है कि उनका सौंदर्य बोध अद्भुत था किंतु यह सौंदर्य बोध उनके सामाजिक जीवन से जन्मा और पुष्ट हुआ था। उनकी धार्मिक मान्यताएँ कहीं भी उस सामाजिक बोध को प्रभावित नहीं करती थीं यही सिंधु सभ्यता के सौंदर्य बोध की खूबी थी।	
	(घ) ऐन के व्यक्तित्व की विशेषताएँ – चिन्तन–मननशील स्वभाव, नाज़ी यातना शिविरों में रहकर भी बौद्धिक रूप से सक्रिय, स्त्रियों की शिक्षा और उनके व्यक्तित्व विकास की पक्षधर आदि (किन्हीं दो विशेषताओं की चर्चा।)	
13.	किन्हीं दो के उत्तर अपेक्षित :	3+3=6
	(क) मराठी लेखक न. व. सौदगलेकर की कला और कविता सुनाने की शैली से लेखक प्रभावित हुआ। धीरे–धीरे कविता सुनाने की कला–ध्वनि, गति, चाल, हाव–भाव सीखने लगा। इससे उसका विश्वास दृढ़ होता गया कि वह भी काव्य रचना कर सकता है।	
	(ख) वे साधारण परिवार की पृष्ठभूमि सेपले–बढ़े। दिल्ली आने पर किशनदा उनके आदर्श बन गए जो घोर परंपरावादी थे। उनकी जीवनशैली ही यशोधर बाबू की जीवनशैली बन गई।इसीलिए वे समय के साथ बदल नहीं सके।	
	(ग) मुअनजो दड़ों में संपन्न समाज के भाव अवशेष हैं। इनमें घर बड़े–बड़े हैं, पर उनकी निचली मंजिलों के कमरे छोटे–छोटे हैं। इसपर ग्रेगदी पोसेल का मत है कि बड़े घरों की निचली मंजिलों में नौकर चाकर रहते होंगे।	
14.	यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषताएँ : किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख।	5
	– कहानी का प्रमुख पात्र, कथानायक। आधुनिकता की ओर बढ़ना चाहता है, पर अतीत से कट नहीं पाता। एक ओर नई शिक्षा में दीक्षित बच्चे हैं तो दूसरी ओर स्वयं उनसे भी पिछली पीढ़ी के किशन दा उनके आदर्श पात्र हैं।	

प्रश्न संख्या	उत्तर–संकेत / मूल्य–बिंदु	अंक विभाजन
	– बदलते मूल्यों का अनुभव उन्हें होता है पर उन्हें लगता है कि आधुनिकता की ओर बढ़ते उनके समाज में मनुष्य को मनुष्य बनाने वाले मूल्य घिसते चले जा रहे हैं। – यथास्थितिवादी स्वभाव है। 'जो हुआ होगा' और 'समहाउ इंप्रौपर' ये दो उनके सूत्र वाक्य हैं। वे समहाउ इंप्रौपर को भी समहाउ स्वीकार कर लेते हैं ये दोनों भाव यशोधर के द्वंद्व को तीव्र बना देते हैं अथवा मुअनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे प्राचीन नगरों के खंडहर तत्कालीन सभ्यता और संस्कृति तथा इतिहास के प्रभाव के रूप में देखे जाते हैं। उनके नगर नियोजन, वास्तु, कला, शिल्पकला, सड़क निर्माण आदि की जानकारी पर इससे प्रकाश पड़ता है। पर ये खंडहर मात्र इतिहास के प्रमाण नहीं हैं। वे हमारा ध्यान उस समय की ओर खींचते हैं जब इन घरों में लोग रहते होगें, इन सड़कों पर वाहन चलते होंगे, यहाँ जन–जीवन गूँजता होगा। इन खंडहरों के आधार पर तत्कालीन जन–जीवन, उनके अनुभव, चितंन आदि की भी कल्पना की जा सकती है। (समग्र उत्तर अपेक्षित)	

प्रश्न पत्र प्रारूप
हिंदी (केंद्रिक)
कक्षा – XII

समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 100

प्रश्नों के प्रकार	अपठित बोध	लेखन	साहित्य	विशेष टिप्पणी
अति लघूत्तरात्मक उत्तर		जनसंचार माध्यम 5(5)		पठन, अवबोध संबंधी
लघूत्तरात्मक उत्तर	अपठित गद्यांश 10(5)			भाव ग्रहण संबंधी लेखन
	अपठित काव्यांश 10(5)		काव्य सौंदर्य 6(3)	अवबोध, पठन और लेखन
			काव्य विषय वस्तु 4(2)	"
			गद्यांश अर्थग्रहण 8(4)	"
			पूरक पुस्तक 9(3)	"
निबंधात्मक प्रश्न (दीर्घोत्तर)		निबंध 5(1)		लेखन/अभिव्यक्ति
		पत्र 5(1)		लेखन/अभिव्यक्ति
		फीचर लेखन 5(1)		लेखन/अभिव्यक्ति
			सप्रसंग व्याख्या 10(2)	पठन, लेखन संबंधी
			गद्य बोध प्रश्न 12(4)	बोध, पठन संबंधी
			पूरक पुस्तक बोध 6(2)	बोध संबंधी
			निबंध बोध 5(1)	पठन, लेखन संबंधी

नोट : प्रश्न संख्या कोष्ठक के भीतर व अंक कोष्ठक के बाहर हैं।